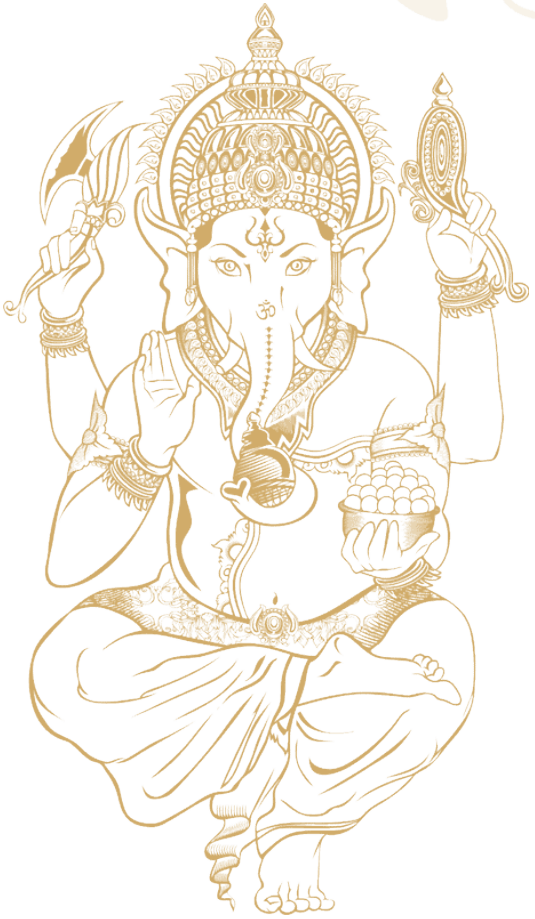

Sourabh Singh

14 Sep 1990

11:14 PM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121648308

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/1990**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:14:00 घंटे**
इष्ट	43:27:24 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:09:44 घंटे
वेलान्तर	00:04:16 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:29 घंटे
सूर्योदय	05:51:02 घंटे
सूर्यास्त	18:08:32 घंटे
दिनमान	12:17:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:55:05 सिंह
लग्न के अंश	27:28:31 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:28:31	342:06:50	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			सिंह	27:55:05	00:58:28	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			कर्क	05:03:15	13:41:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			वृष	12:44:25	00:24:17	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध	व		सिंह	16:27:09	00:25:15	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कर्क	11:45:37	00:11:06	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	15:24:59	01:14:23	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	25:01:57	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु			मक	12:48:10	00:00:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			कर्क	12:48:10	00:00:44	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	11:52:10	00:00:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप	व		धनु	18:05:20	00:00:18	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो			तुला	21:56:56	00:01:37	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	15:33:46	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:52

लग्न-चलित

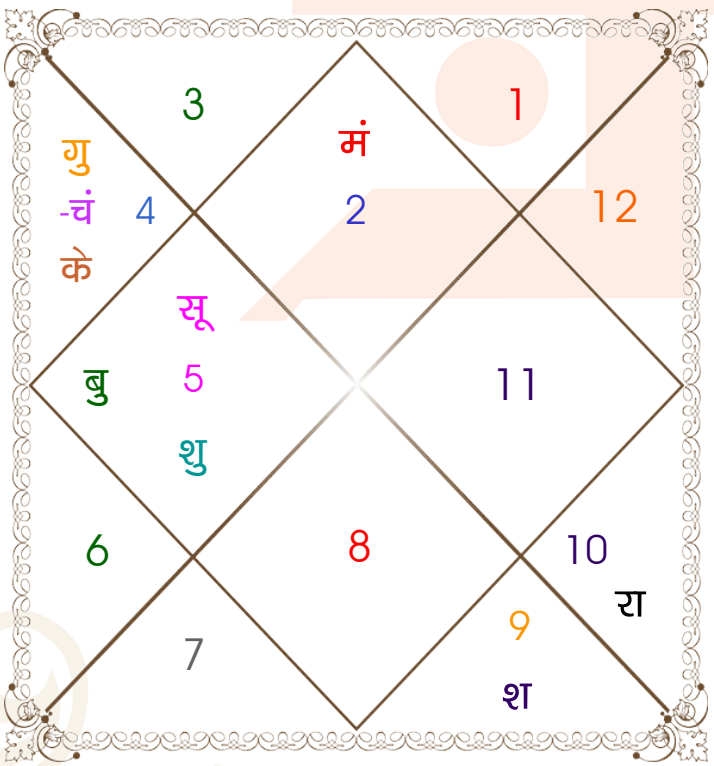

चन्द्र कुंडली

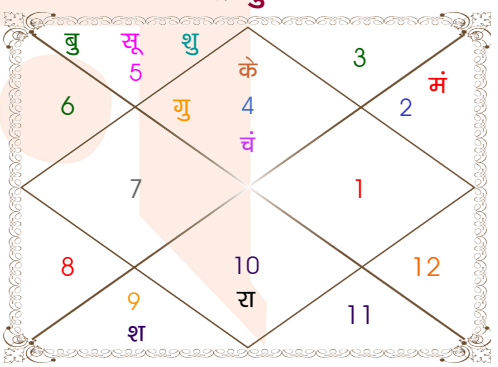

नवमांश कुंडली

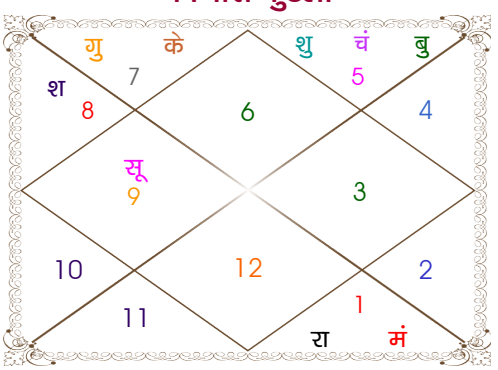

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 6 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/09/1990		02/04/2007		02/04/2024		02/04/2031		02/04/2051	
02/04/2007		02/04/2024		02/04/2031		02/04/2051		02/04/2057	
शनि	06/04/1991	बुध	29/08/2009	केतु	29/08/2024	शुक्र	02/08/2034	सूर्य	21/07/2051
बुध	14/12/1993	केतु	26/08/2010	शुक्र	29/10/2025	सूर्य	02/08/2035	चंद्र	20/01/2052
केतु	22/01/1995	शुक्र	26/06/2013	सूर्य	06/03/2026	चंद्र	02/04/2037	मंगल	27/05/2052
शुक्र	24/03/1998	सूर्य	03/05/2014	चंद्र	05/10/2026	मंगल	02/06/2038	राहु	20/04/2053
सूर्य	06/03/1999	चंद्र	02/10/2015	मंगल	03/03/2027	राहु	02/06/2041	गुरु	06/02/2054
चंद्र	04/10/2000	मंगल	28/09/2016	राहु	21/03/2028	गुरु	01/02/2044	शनि	19/01/2055
मंगल	13/11/2001	राहु	18/04/2019	गुरु	24/02/2029	शनि	02/04/2047	बुध	26/11/2055
राहु	19/09/2004	गुरु	24/07/2021	शनि	05/04/2030	बुध	31/01/2050	केतु	02/04/2056
गुरु	02/04/2007	शनि	02/04/2024	बुध	02/04/2031	केतु	02/04/2051	शुक्र	02/04/2057

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
02/04/2057		02/04/2067		02/04/2074		02/04/2092		03/04/2108	
02/04/2067		02/04/2074		02/04/2092		03/04/2108		00/00/0000	
चंद्र	31/01/2058	मंगल	30/08/2067	राहु	13/12/2076	गुरु	21/05/2094	शनि	15/09/2110
मंगल	01/09/2058	राहु	16/09/2068	गुरु	09/05/2079	शनि	01/12/2096		00/00/0000
राहु	02/03/2060	गुरु	23/08/2069	शनि	15/03/2082	बुध	09/03/2099		00/00/0000
गुरु	02/07/2061	शनि	02/10/2070	बुध	01/10/2084	केतु	13/02/2100		00/00/0000
शनि	01/02/2063	बुध	29/09/2071	केतु	20/10/2085	शुक्र	15/10/2102		00/00/0000
बुध	02/07/2064	केतु	25/02/2072	शुक्र	20/10/2088	सूर्य	03/08/2103		00/00/0000
केतु	31/01/2065	शुक्र	26/04/2073	सूर्य	13/09/2089	चंद्र	02/12/2104		00/00/0000
शुक्र	02/10/2066	सूर्य	01/09/2073	चंद्र	15/03/2091	मंगल	08/11/2105		00/00/0000
सूर्य	02/04/2067	चंद्र	02/04/2074	मंगल	02/04/2092	राहु	03/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 6 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।